Written by कुमार सौवीर
Sunday, 07 January 2018 09:53

: □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□
: □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ : □□□□□ □□
□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ :
□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□ :

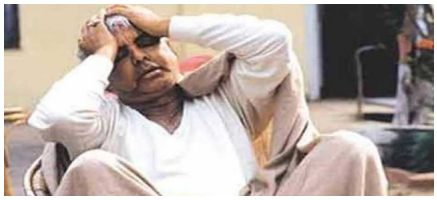

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : चारा-घोटाले में अदालत ने साफ मान लिया है कि वह चारा लालू यादव ने भी चर लिया था। इस चरा-चराई में लालू यादव के साथ तब के संयुक्त बिहार के कई आला अफसरों ने भी खूब मौज ली, और जी भर कर चारा चरा। बिना डकार लिये। कहने की जरूरत नहीं कि इस फैसले का असर पूरे बिहार पर पड़ेगा, और खूब पड़ेगा।

अपने तरह के इस अनोखे घोटाले पर बिहार, झारखण्ड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। प्रमुख न्यूज पोर्टल मेरी बटिया डॉट कॉम ने इस प्रकरण पर हुए अदालती फैसले को लेकर यूपी के वरिष्ठ वकीलों से चर्चा की। इस बातचीत तीन बिन्दुओं पर हुई थी। पेश है कि इस बातचीत का दूसरा हिस्सा, जिसके केंद्र में सवाल यह था कि इस मामले में जज ने जिस तरह यह कुबूल किया है कि उस पर फैसले को लालू यादव के पक्ष में करने का दबाव पड़ा था।

□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□ :-

□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 07 January 2018 09:53

अवध बार □सोसयिशन के अध्□यक्ष □लपी मशि्र इस मामले को बेहद गम्□भीर मान रहे हैं□ मशि्र बताते हैं कि दबाव का प्रकरण नहायित गंभीर है□ हालांकि वे इस बात पर उस जज की तारीफ करते हैं□ उनका कहना है कि किसी भी जज के सामने ऐसी हालत में आने पर केवल दो ही रास्□ते होते हैं□ □क तो कि वह ऐसे मामले से खुद को अलग कर ले□ ऐसे में मामला नये तरीके से लटक सकता है□ इसके लि□ वरिोधियों की साजशि हो जाती है□ मामला नये सरि से उठता है□ लेकनि इस मामले में जज ने काबलि-तारीफ काम किया है□ ऐसे मामलों में जज को खुद को डील करना चाहि□□ यह □क मंजे जज का काम है, कि वह उस सचि्□शन को कैसे डील करे□ अगर जज इसमें अलग हो जाता है, तो इस की आशंका कभी-कभी हो जाती है कि उसमें मसिचीफ करने वाले की हरकत सफल हो जा□□ □क साजशि के तहत जब कोई दबाव डालता है, कि जज सेंसटिवि है, तो साजशि सफल हो सकती है□ इसके बाद लोग उसे मैनेज कर सकते हैं□ कंटेम्□प्□ट लगा सकते थे□ कर भी सकते थे□ करना भी चाहि□ था कि तुम्□हें कैसे हम्ि□मत की□ लेकनि उसके बाद □क नया-नया चैप्□टर खुलने लगता है□ यह भी उठने लगता है कि मैंने नहीं किया, किसी और ने किया होगा□ बहरहाल, यह फैसला बेहतर साबति हुआ है□

अवध बार □सोसयिशन के पूर्व महामंत्री आरडी शाही इस मामले पर □क नया खुलासा कर रहे हैं□ शाही का कहना है कि किसी भी बड़े मामले में दबाव आना-पड़ना कोई बड़ी बात नहीं है□ ऐसे संवेदनशील मामलों में दबाव तो पड़ेगा ही□ यह हमारे समाज की दनिचर्या में शामलि होता जा रहा है□ शाही के अनुसार जब □क छोटे से प्रापर्टी डीलर जैसे मामले तक में जजों पर दबाव पड़ सकता है, तो वह तो लालू यादव जी हैं□ हमें इस बात पर ध्□यान रखना चाहि□ कि यह □क बड़ा मामला था, और उसमें हर तरह की सम्□भावना□ं-आशंका□ं पनप सकती थीं□ हुई भी होंगीं□ लेकनि जज को नस्ि□पृह होना चाहि□ ऐसे दबावों को लेकर□ अगर दबाव पड़ा तो भी कंट्रोल करना चाहि□□ यह कोई ऐसी अजूबी बात नहीं थी जसिमें □फआईआर करायी जाती, या फरि उसका खुलेआम जक्रि किया जाता□ प्रतीकात्□मक तरीके से भी कहा जा सकता था□

□□□□□□□□□□-□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ :-

[□□□□□□□ □□□□ □□□□]

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्□डपीठ के वरषि्□ठ अधविक्□ता आईबी सहि इस मामले को बलिकुल दूसरे तरीके से देख रहे हैं□ उनका कहना है कि यह तय नहीं कि यह फोन किसने किया है□ कोई भी ऐसा □वीडेंस कैसे नापा जा सकता है कि किसने फोन किया, या किसी ने नहीं किया□ यह भी हो सकता है कि जज पर दबाव डालने वाली की करतूत खुद लालू यादव के वरिोधियों ने की हो□ हो मामले को लालू को फंसाना चाहते हों□ इसलि□ इस मामले में यह हालत

Written by कुमार सौवीर
Sunday, 07 January 2018 09:53

ऑब्□ जेक्□ शनेबल नहीं दखिती है□ और तो और, हो तो यह भी सक्ता है क□ ऐसा कोई दबाव खुद कसी जज ने दबाव डाला हो□

□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□, □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□-□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□-□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□, □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□:-

□□□□-□□□□□□